ताल – दादरा

दादरा ताल में 6 मात्राएं होती हैं। इस ता में दो विभाग होते हैं। प्रत्येक में तीन-तीन मात्रायें होती है। पहली मात्रा पर सम तथा चौथी मात्रा पर खाली होती है। इसके बोल सीधे व सरल हैं।

इस ताल की प्रकृति भी चंचल हैं। इसे मध्य तथा द्रुतलय में बजाते हैं। यह दादरा नामक गीत एवं अधिकतर गज़, गीत, भजन आदि गीतों का श्रृंगार है इसे अधिकतर विद्वान संगत की ताल भी कहते हैं। इसमें भी लग्गी लड़ी का काम होता है तभी यह सुनने में मधुर प्रतीत होती है। कोई-कोई विद्वान इसे आधी तालों के श्रेणी में रखते हैं। भजन, शब्द गायन में इस ताल का प्रयोग श्रोतावर्ग को मंत्रमुग्ध कर देता है।

ताल दादरा ठेका (ताल के बोल)

मात्राएँ	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
बोल	धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	तिरकिट	धिं	ना
ताली चिन्ह			0		2		0		3		4	4